1.यूरोप में राष्ट्रवाद

➤ यूरोप एक महादेश हैं।

➤ यूरोप महादेश में इटली, जर्मनी आस्ट्रिया, प्रशा, रूस, ब्रिटेन, यूनान, पौलेंड बोहेमिया आदि देश आते है।

राष्ट्रवाद

➤ राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना को राष्ट्रवाद कहते हैं।

➤ राष्ट्रवाद एक ऐसी भावना है जो किसी भौगोलिक, सांस्कृतिक या समाजिक परिवेश में रहने वाले लोगों में एकता का वाहक बनती है।

यूरोप में राष्ट्रवाद के विकस में सहायक तत्व :-

➤ पुनर्जागरण के फलस्वरुप उत्पन्न परिस्थितियां

➤ 1789 के फ्रांसीसी क्रांति के आदर्श

➤ नेपोलियन का सैन्य अभियान

➤ मेटरनिख की प्रतिक्रियावादी नीति नेपोलियन युग (1804 से 1815)

➤ 1804 में नेपोलियन फ्रांस का सम्राट बना | : 1804 में नेपोलियन ने नेपोलियन सहिंता लागू किया ।

➤ 1815 में नेपोलियन वाटरलू के युद्ध में हार गया।

➤ मित्र राष्ट्रों ने नेपोलियन को कैद कर सेंट हेलेना नमक टापू पर रख दिया। जहां 1821 में नेपोलियन का मृत्यु हो गया।

मेटरनिख युग (1815 से 1848)

➤ यूरोप की विजय शक्तियां नेपोलियन के पतन के बाद 1815 में ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में एक सम्मेलन बुलाया जिसे वियना सम्मेलन के नाम से जाना जाता है।

➤ वियना सम्मेलन की अध्यक्षता ऑस्ट्रिया के चांसलर मेटरनिख ने की।

➤ मेटरनिख प्रतिक्रियावादी शासक था जिसका उद्देश्य था गणतंत्र का विरोध करना और राजतंत्र का करना। पुनः स्थापना

वियना कांग्रेस की उपलब्धियां

➤ इटली पर अपना प्रभाव स्थापित रखने के लिए मेटरनिख ने उसे कई राज्यों में विभाजित कर दिया।

➤ सिसली और नेपल्स के प्रदेश बुर्बोवंश के सम्राट फर्डिनेंड को दे दिया गया।

➤ रोम और उसके आसपास के राज्य पोप को सौंप दिया।

➤ लोम्बाडी और वेनेशिया पर ऑस्टिया की प्रभुता कायम हुई।

➤ परमा, मोडना और टस्कनी के प्रांत हैब्सबर्ग राजवंश को दे दिए गए।

➤ जेनेवा और पिडमॉन्ट के राज्य में सम्मलित कर दिए गए ।

➤ जर्मनी में 39 रियासत का संघ कायम रहा जिस पर ऑस्टिया का अधिकार स्थापित किया गया तथा हर संभव प्रयास किया गया की राष्ट्रीयता की भावना नहीं जगे।

1789 की फ्रांसीसी क्रांति के कारण

➤ समाज 3 वर्ग में विभाजित हुआ था पादरी, कुलीन और निम्न वर्ग। तीनों वर्ग के बीच काफी और असमानता थी।

➤ फ्रांस का राजा लुई 16 वां निरंकुश शासक था।

➤ फ्रांस के लोगों पर टैक्स का बोझ अधिक हो गया था।

1789 की फ्रांसीसी क्रांति के परिणाम

➤ लुई 16वां के राजशाही का अंत

➤ जनतंत्र का स्थापना

➤ यूरोप के देशों में राष्ट्रवाद का प्रसार

1830 के फ्रांसीसी क्रांति के कारण

➤ मेटरनिख की प्रतिक्रियावादी नीति

➤ चाल्स X का निरंकुश शासन

➤ चाल्स X द्वारा जनतंत्रवादी भावना

➤ उदारवादियों द्वारा अभिजात वर्ग व्यवस्था का विरोध 1830 के फ्रांसीसी क्रांति के परिणाम

➤ चार्ल्स X फ्रांस की गद्दी को त्याग कर इंग्लैंड पलायन कर गया

➤ फ्रांस में बुर्बो वंश का अंत

➤ आलेंयेंश वंश के लुई फिलिप का शासक बनना उदारवादी एवं संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना

➤ मेटरनिख व्यवस्था को चुनौती

1848 के फ्रांसीसी क्रांति के कारण

➤ लुई फिलिप की कमजोर नीति

➤ लुई फिलिप के द्वारा प्रतिक्रियावादी गीजो को प्रधानमंत्री बनाना

➤ वैधानिक, संवैधानिक और आर्थिक किसी भी प्रकार का सुधारात्मक कार्य नहीं करना

➤ पूंजीपति वर्ग को साथ रखना

➤ असफल विदेश नीति

➤ बेरोजगारी एवं भूखमरी का बढ़ना

1848 के फ्रांसीसी क्रांति के परिणाम

➤ पुरातन व्यवस्था का अंत

➤ द्वितीय गणराज्य की स्थापना

➤ लुई नेपोलियन 3 का फ्रांस का सम्राट बनना

इटली के एकीकरण में बाधक तत्व

1. इटली कई छोटे छोटे राज्य में विभक्त था ।

2. इटली और आस्ट्रिया तथा फ्रांस जैसे विदेशी राष्ट्रों का हस्तक्षेप था |

3. पोप का इच्छा था की इटली का एकीकरण स्वंय उसके नेतृत्व में हो ।

इटली के एकीकरण में सहायक तत्वः-

1. राष्ट्रवादी विचारधारा का प्रभाव

2. फ्रांसीसी क्रांति का प्रभाव

3. इटली विजय के बाद नेपोलियन द्वारा इटली को तीन गणराज्यों में गठन सिसपाईन, लिगुलियन और ट्रांसपेडेन |

4. वियना कोंग्रेस के द्वारा के दो राज्य पीडमाउन्ट और सार्डीनीया जा एकीकरण 5. मेटरनिख की प्रतिक्रियावादी सोच

6. नागरिक आन्दोलन

7. मेजनी, काउन्ट कावुर और गैरीबाल्डी का योगदान मेजिनी मेजिनी साहित्यकार, गणतांत्रिक विचारों गतांत्रिक विच और योग्य सेनापति का समर्थक मेजिनी का सबंध कार्बोनरी नामक गुप्त दल से था |

मेजिनी

➤ मेजिनी साहित्यकार, गणतांत्रिक विचारों का समर्थक और योग्य सेनापति था।

➤ मेजिनी का सबंध कार्बोनरी नामक गुप्त दल से था |

➤ 1830 में मेजिनी उतरी और मध्य इटली का एकीकरण करना चाहा लेकिन मेटरनिख ने नागरिक आंदोलन को दबा दिया | जिसके कारन मेजिनी को इटली से पलायन करना पड़ा |

➤ मेजिनी में 1831 में यंग इटली नामक संस्था का स्थापना किया।

➤ मेजिनी ने 1834 में यंग यूरोप नामक संस्था का स्थापना किया 1848 में मेजिनी पुनः इटली आया ।

➤ मेजिनी इटली का एकीकरण कर गणराज्य बनाना चाहता था लेकिन सार्डीनीया पीडमाउन्ट का शासक चाल्स एल्बर्ट अपने नेतृत्व में सभी प्रान्तों का विलय करना चाहता था | पोप इटली को धर्मराज बनाना चाहता था | इस तरह विचारो के टकराव के कारण इटली का एकीकरण का मार्ग अवरुद्ध हो गया | मेजिनी पुनः पलायन कर गया |

19 वीं सदी के मध्य इटली सात राज्यों में विभक्त था।

1. सवोई - सार्डीनीया – राजा

2. लोम्बार्डी-वेनिशिया – आस्ट्रिया

3. सिसली और नेपल्स – फर्डिनेंड

4. पेपल – पोप

5. पदमा हैबसवर्ग राजवंश

6. मोडेना हैबसवर्ग राजवंश

7. टस्कनी हैबसवर्ग राजवंश

काऊंट कावुर

➤ सार्डीनीया पिडमाऊंट के शासक विक्टर इमैनुएल काऊंट कावुर को प्रधानमत्री नियुक्त किया ।

➤ काऊंट कावुर एक सफल कूटनीतिज्ञ एवं राष्ट्रवादी था । काऊंट कावुर इटली के एकीकरण में सबसे बड़ी बाधा आस्ट्रिया को मानता था

➤ 1853-54 के क्रीमिया के युद्ध में आस्ट्रिया को हराने के लिए काऊंट कावुर ने फ्रांस के तरफ से भाग लिया ।

➤ काऊंट कावुर फ्रांस के नेपोलियन 3 से एक कूटनीतिज्ञ संधि कर आस्ट्रिया को पराजित किया ।

➤ काऊंट कावुर आस्ट्रिया को हराकर लोम्बार्डी और पिडमाऊंट पर कब्जा कर लिया।
➤ फ्रांस को मदद करने के बदले में कावुर ने निस और सेवाय नामक रियासत फ्रांस को दे दिया ।

➤ 1860-61 तक कावुर ने सिर्फ रोम को छोड़ कर उतरी और मध्य इटली के सभी रियासत को मिला दिया।

➤ 1862 तक दक्षिणी इटली रोम तथा वेनेशिया को छोड़कर बाकी सब रियासत को मिला लिया।

गैरीबाल्डी

➤ गैरीबाल्डी पेशे से एक नविक था और मेजिनी के विचारो का समर्थक था परन्तु बाद में कावुर ने सवैधानिक राजतंत्र का पक्षकार बन गया।

➤ गैरीबाल्डी सिसली और नेपल्स पर आक्रमण कर वहां गणतंत्र का स्थापना किया।

➤ गैरीबाल्डी ने जब रोम पर आक्रमण का योजना बनाया तो कावुर ने रोम की रक्षा के लिए अपनी सेना भेज दी। इसी बीच गैरीबाल्डी की भेंट कावुर से हुई और वह दक्षिणी इटली के जीते हुए क्षेत्र को विक्टर इमैनुएल को दे दिया।

➤ 1862 में गैरीबाल्डी की मृत्यु हो गया।

➤ 1871 में फ्रांस - प्रशा युद्ध के दौरान विक्टर इमैनुएल ने रोम को इटली में मिला लिया। और रोम अपना राजधानी घोषित कर दिया

➤ इटली का एकीकरण 1871 में पूर्ण हुआ |

जर्मनी के एकीकरण के बाधक तत्वः-

1. जर्मनी लगभग 300 छोटे बड़े राज्य में विभक्त था ।

2. उतरी जर्मनी प्रोटेस्ट एवं दक्षिणी जर्मनी कैथेलिक बाहुल्य क्षेत्र था।

3. राष्ट्रवाद के भावना का अभाव

जर्मनी के एकीकरण के सहायक तत्वः-

1. 1806 में नेपोलियन जर्मन राइन राज्य संघ का निर्माण किया।

2. बुद्धिजीवीयो द्वारा राष्ट्रवादी विचार का प्रभाव

3. मेटरनिख की प्रतिक्रियावादी निति

4. 1834 में व्यापारियों द्वारा जालवेरीन नामक आर्थिक संघ का निर्माण |

5. विलियम एवं बिस्मार्क का योगदान

➤ बिस्मार्क प्रशा के शासक विलियम का चांसलर था ।

➤ बिस्मार्क जर्मन डाइट में प्रशा का प्रतिनिधि था ।

➤ बिस्मार्क हिगेल की विचारो से प्रभावित था ।

➤ बिस्मार्क रक्त एवं लौह नीति का अवलम्बन किया।

➤ जर्मनी के एकीकरण के लिए प्रशा का डेनमार्क आस्ट्रिया और फ्रांस से युद्ध हुआ ।

➤ 1866 में आस्ट्रिया - प्रशा के बीच सेडेवा का युद्ध हआ ।

➤ 1870 में फ्रांस - प्रशा के बीच सेडान का युद्ध हआ।

➤ 10 मई 1871 को फ्रांस प्रशा के बीच फ्रैंकफ्रंट का संधि हुई।

➤ 1871 ई० में जर्मनी का एकीकरण पूर्ण हुआ ।

यूनान

➤ यूनान का साहित्य एवं ज्ञान विज्ञान युरोपवासियों के लिए प्रेरणा स्रोत रहा ।

➤ यूनान के यूरोपीय सभ्यता का पालन भी कहा जाता है।

➤ यूनान तुर्की साम्रज्य के अधीन था।

➤ तुर्की को यूरोप का मरीज कहा जाता है।

➤ यूनानियो ने तुर्की से अलग होने किए लिए हीतेरिया फिलायक नामक संस्था का स्थापना ओडेसा नामका स्थान पर की ।

➤ इंग्लैंड फ्रांस तथा रूस यूनान के स्वतंत्रता का पक्षधर था ।

➤ 1821 ई० में अलेक्जेंडर चिपसिलांती के नेतृत्व में यूनान में विद्रोह शुरू हुआ ।

➤ 1827 में लन्दन में एक सम्मेलन हेआ जिसमे इंग्लैंड, फ्रासं तथा रूस तुर्की के खिलाफ तथा यूनान के समर्थक के सयुंक्त कारवाई करने का निर्णय लिया। तीनो की संयुक्त सेना नवारिनों की खाड़ी में तुर्की के खिलाफ एकत्र हुई। युद्ध में मिस्त्र और तुर्की बुरी तरह पराजित हुई।

➤ 1829 में एंड्रीयानोपल की संधि हुई। जिसके तहत यूनान को स्वायत्ता दिया गया ।

➤ 1832 में कुस्तुनतुनिया की सधी के द्वारा यूनान को स्वंत्रत राष्ट्र घोषित किया गया।

हंगरी

➤ हंगरी पर आस्ट्रिया का प्रभुत्व था।

➤ हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट था ।

➤ हंगरी ने 1848 के आन्दोलन का नेतृत्व कोसुथ और फ्रांसीसी डिक के द्वारा किया गया।

➤ 31 मार्च 1848 को हंगरी से आस्ट्रिया का प्रभाव समाप्त हो गया।

पोलैंड

➤ पोलैंड पर रूस का प्रभुत्व था।

➤ 1830 ने पोलैंड में भी रूस से स्वतंत्रता के लिए आन्दोलन हुआ, परन्तु रूस ने पोलेंड के विद्रोह को दबा दिया ।

बोहेमिया

➤ बोहेमिया पर आस्ट्रिया के अधीन था।

➤ बोहेमिया में बहुसंख्यक जनता चेक प्रजाति की थी।

➤ आस्ट्रिया बोहेमिया को स्वायत्ता देने की मांग को स्वीकार लिया परन्तु आन्दोलन हिंसात्मक होने के कारण इसे कुचल दिया।

राष्ट्रवाद के उदय के प्रभाव

➤ राष्ट्रीयता की भावना से प्रेरित होकर अनेक राष्ट्रों में क्रांतियां, आन्दोलन और नए राष्ट्रों का उदय होने लागा ।

➤ राष्ट्रवाद का प्रभाव एशिया अफ्रीका के उपनिवेशों पर भी पड़ा ।

➤ राष्ट्रवाद के विकास से प्रतिक्रियावादी शक्तियों और निरंकुश शासक का प्रभाव कमजोर कर दिया। राष्ट्रवादी प्रवृति को बढ़ावा दिया। भारत भी यूरोपीय राष्ट्रवाद से प्रभावित हुआ

अति लघु उतरिय

प्रश्न 1. राष्ट्रवाद क्या है?

उत्तर:- देश के प्रति प्रेम की भावना को राष्ट्रवाद कहा जाता है।

या

राष्ट्रवाद एक ऐसी भावना है जो किसी विशेष भौगोलिक, सांस्कृतिक या सामाजिक परिवेश में रहने वाले लोगों में एकला की वाहक बनती है।

2. मेजिनी कौन था?

उत्तरः- मेजिनी साहित्यकार, गणतांत्रिक विचारो का समर्थक और योग्य सेनापति था । मेजिनी कर्बोनरी नामक गुप्त दल का शासक था | मेजिनी ने 1831 में यंग इटली और 1834 में यंग यूरोप नामक संस्था की स्थापना की।

3. जर्मनी के एकीकरण की बाधाएँ क्या थी?

उत्तर:- जर्मनी के एकीकरण की निम्लिखित बाधाएँ थीं।

जर्मनी लगभग 300 छोटे बड़े राज्य में विभक्त था। उत्तरी जर्मनी में प्रोटेस्ट एवं दक्षिणी में कैथोलिक बाहुल्य क्षेत्र था | जर्मनी में राष्ट्रवाद की भावना का अभाव था ।

4. मेटरनिख युग क्या है ?

उत्तर:- मेटरनिख आस्ट्रिया का चांसलर था । मेटरनिख ने 1815 से 1848 तक यूरोप की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसलिए 1815 से 1848 के काल को मेटरनिख युग कहा जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न :-

1. 1848 के फ्रांसीसी क्रांति के क्या कारण थे ?

उत्तर:- 1848 के फ्रांसीसी क्रांति के निम्नलिखित कारण थे:-

(i) लुई फिलिप की कमजोर निति

(ii) लुई फिलिप के द्वारा प्रतिक्रियावादी गीजो को प्रधानमंत्री बना

(iii) पूंजीपति वर्ग को साथ रखना

(iv) असफल विदेशी नीति

(v) किसी भी प्रकार का सुधारात्मक कार्य नहीं

(vi) बेरोजगारी और भुखमरी बढ़ जाना

2. इटली और जर्मनी के एकीकरण में आस्ट्रिया की भूमिका क्या थी ?

उत्तर:- इटली और जर्मनी के एकीकरण आस्ट्रिया का सबसे बड़ा बाधक था | 1830 की क्रांति की बाद इटली में भी नागरिक आन्दोलन शुरू हो गये । इसी समय मेजिनी उतरी और मध्य इटली का एकीकरण करने का प्रयास किया। लेकिन मेटरनिख के नागरिक आन्दोलन को दबा दिया। जर्मनी में राष्ट्रवादी भावना को दबाने के लिए मेटरनिख दमनकारी कानून कार्ल्सवाद के आदेश द्वारा दबा दिया।

3. यूरोप में राष्ट्रवाद को फैलाने में नेपोलियन बोनापार्ट किस तरह सहायक हुआ ?

उत्तर :- यूरोप में राष्ट्रवाद को फैलाना में फ्रांस की क्रांति के बाद में नेपोलियन के आक्रमण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यूरोप के कई राज्यों में नेपोलियन के अभियान से नवयुग का सन्देश पंहुचा | नेपोलियन में इटली और जर्मनी के राज्यों को भौगोलिक नाम की परिधि से निकलकर वास्तविक और राजनीतिक रुपरेखा प्रदान की। जिससे इटली और जर्मनी का एकीकरण का मांग प्रशस्त हुआ ।

4. गैरीबाल्डी के कार्यों का चर्चा करें।

उतर:- गैरीबाल्डी पेशे से एक नाविक था। गैरीबाल्डी सिसली और नेपल्स पर आक्रमण कर वहां गणतंत्र क स्थापना किया। गैरीबाल्डी ने जब रोम पर आक्रमण की योजना बनाई तो काबूर ने रोम की रक्षा के लिए अपनी सेना भेज दी। इसी बीच गैरीबाल्डी की भेंट कावूर से हुई और वह दक्षिणी इटली के जीते गए क्षेत्र विक्टर इमैनुएल को दे दिया। इस तरह गैरीबाल्डी के सहयोग से इटली का एकीकरण संभव हो पाया।

5. विलियम 1 के बगैर जर्मनी का एकीकरण बिस्मार्क के लिए असंभव था - कैसे?

उत्तरः- विलियम 1 जानता था कि ऑस्ट्रिया और फ्रांस को पराजित किए बिना जर्मनी का एकीकरण संभव नहीं है। जर्मनी के एकीकरण करने के लिए विलियम ने बिस्मार्क को अपना चांसलर नियुक्त किया। विलियम अगर बिस्मार्क को अपना चांसलर नहीं बनाता तो जर्मनी का एकीकरण असंभव था।

दीर्घ उत्तरीय प्रशन

1. इटली के एकीकरण में मेजिनी, काबूर और गैरीबाल्डी के योगदानों को बतावें।

उतरः- इटली के एकीकरण में मेजिनी का योगदानः- मेजनी साहित्यकार, गणतांत्रिक विचारों का समर्थक और योग्य सेनापति था। मेजिनी का संबंध कार्बोनरी नामक गुप्त दल से था। 1830 में मेजनी उतरी और मध्य इटली का एकीकरण करना चाहा लेकिन मेटरनिख ने नागरिक आंदोलन को दबा दिया। जिसके कारण मेजनी को इटली से पलायन करना पड़ा।मेजिनी ने 1831 में यंग इटली और मेजिनी ने 1834 में यंग यूरोप नामक संस्था का स्थापना किया। 1848 में मेजनी पुनः इटली आया। मेजनी इटली का एकीकरण कर गणराज्य बनाना चाहता था लेकिन सार्डिनिया पिडमाउंट का शासक चार्ल्स एल्बर्ट अपने नेतृत्व में सभी प्रांतों का विलय करना चाहता था। पोप इटली को धर्मराज बनाना चाहता था। इस तरह विचारों के टकराव के कारण इटली का एकीकरण का मार्ग अवरुद्ध हो गया। मेजनी पुनः पलायन कर गया।

इटली के एकीकरण में काउंट काबूर का योगदानः

सार्डिनिया पिडमाउंट के शासक विक्टर इमैनुएल काउंट कावूर को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। काउंट कावूर एक सफल कूटनीतिज्ञ एवं राष्ट्रवादी था। काउंट कावूर इटली के एकीकरण में सबसे बड़ी बाधा ऑस्ट्रिया को मानता था। 1853-54 के क्रीमिया के युद्ध में ऑस्ट्रिया को हराने के लिए काउंट कावूर ने फ्रांस के तरफ से भाग लिया। काउंट कावूर फ्रांस के नेपोलियन 3 से एक कूटनीतिक संधि कर ऑस्ट्रेलिया को पराजित कर

दिया। काउंट कावूर ऑस्ट्रिया को हराकर लोम्बार्डी और पिडमाउंट पर कब्जा कर लिया। फ्रांस को मदद करने के बदले में कावूर ने नीस और सेवाय नामक रियासत फ्रांस को दे दिया। 1860-61 तक कावूर ने सिर्फ रोम को छोड़कर उतरी और मध्य इटली के सभी रियासत को मिला लिया। 1862 तक दक्षिणी इटली, रोम तथा वेनेशिया को छोड़कर बाकी रियासत का विलय कर लिया।

इटली के एकीकरण में गैरीबाल्डी का योगदान:-

गैरीबाल्डी पेशे से एक नाविक था और मेजिनी के विचारों का समर्थन था परंतु बाद में कावूर के संवैधानिक राजतंत्र का पक्षधर बन गया। गैरीबाल्डी सिसली और नेपल्स पर आक्रमण कर वहां गणतंत्र क स्थापना किया।

गैरीबाल्डी ने जब रोम पर आक्रमण की योजना बनाई तो काबूर ने रोम की रक्षा के लिए अपनी सेना भेज दी। इसी बीच गैरीबाल्डी की भेंट कावूर से हुई और वह दक्षिणी इटली के जीते गए क्षेत्र विक्टर इमैनुएल को दे दिया। इस तरह गैरीबाल्डी के सहयोग से इटली का एकीकरण 1871 में पूर्ण हुआ।

2. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका का वर्णन करें।

उतर :- बिस्मार्क प्रशा के शासक विलियम का चांसलर था। बिस्मार्क जर्मन डाइट में प्रशा का प्रतिनिधि था। बिस्मार्क हिगेल के विचारों से प्रभावित था।बिस्मार्क रक्त एवं लौह की नीति का अवलम्बन किया।। जर्मनी के एकीकरण के लिए प्रशा का डेनमार्क, ऑस्ट्रिया और फ्रांस से युद्ध हुआ। 1864 में प्रशा ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर डेनमार्क पर आक्रमण कर दिया। 1866 में ऑस्ट्रिया- प्रशा के बीच सेडोवा का युद्ध हुआ। 1871 में फ्रांस- प्रशा के बीच सेडान का युद्ध हुआ। 10 मई 1871 को फ्रांस प्रशा के बीच फ्रैंकफ्रंट की संधि हुई।इस तरह 1871 ईस्वी में जर्मनी का एकीकरण पूर्ण हुआ।

3. राष्ट्रवाद के उदय के कारणों और प्रभाव का चर्चा करें

उत्तर :- यूरोप में राष्ट्रवाद के उदय के कारण :-

i. पुनर्जागरण के फलस्वरुप उत्पन्न परिस्थितिया

ii. 1789 के फ्रांसीसी क्रांति के आदर्श

iii. नेपोलियन का सैन्य अभियान

iv. मेटरनिख की प्रतिक्रियावादी नीति

राष्ट्रवाद के उदय के प्रभाव :-

i. राष्ट्रीयता की भावना से प्रेरित होकर अनेक राष्ट्रों में क्रांतियां, आंदोलन और नए रास्ते का उदय होने लगा।

ii. राष्ट्रवाद का प्रभाव एशिया- अफ्रीका के उपनिवेशों पर भी पड़ा।

iii. राष्ट्रवाद के विकास ने प्रतिक्रियावादी शक्तियों और निरंकुश शासको का प्रभाव कमजोर कर दिया।

iv. राष्ट्रवादी प्रवृत्ति ने साम्राज्यवादी प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया।

v. भारत भी यूरोपीय राष्ट्रवाद से प्रभावित हुआ।

4. जुलाई 1830 के क्रांति का विवरण दे।

उतर:- चार्ल्स X निरंकुश एवं प्रतिक्रियावादी शासक था जिसने फ्रांस में राष्ट्रीयता एवं जनतंत्रवादी भावनाओं को दबाने का प्रधानमंत्री बनाया। पोलिग्नेक अभिजात वर्ग को साथ काम किया। उसने प्रतिक्रियावादी पोलिगनेक को अपना दिया। उदारवादियों ने इसे चुनौती तथा क्रांति के विरुद्ध षड्यंत्र समझा उदारवादियों में पॉलीगेनिक के विरुद्ध गहरा असंतोष प्रकट हुआ। चार्ल्स X ने इस विरोध के प्रतिक्रिया स्वरुप 25 जुलाई 1830 को चार अध्यादेश के द्वारा उदार तत्वों का गला घोटनें का प्रयास किया। इस

अध्यादेश के विरोध में पेरिस में क्रांति का लहर दौड़ गया और फ्रांस में 28 जून 1830 से गृह हो गया। इसे ही जुलाई 1830 की क्रांति कहते हैं। युद्ध आरंभ इस क्रांति के बाद चार्ल्स X को फ्रांस का गद्दी त्याग कर इंग्लैंड जाना पड़ा और बूर्बो वंश के शासन का अंत हो गया। बूर्बो वंश के स्थान पर वंश के आलेले आर्लेयेंश वंश के लुई फिलिप को गद्दी सोपा गया।

5. यूनानी स्वंत्रतता आंदोलन का संक्षिप्त विवरण दे।

उत्तरः- यूनान तुर्की साम्राज्य के अधीन था। यूनानियों ने तुर्की से अलग होने के लिए हितेरिया फिलायक नामक संस्था का स्थापना उड़ीसा नामक स्थान पर की। इंग्लैंड फ्रांस तथा रूस यूनान के स्वतंत्रता का पक्षधर था। 1821 ईस्वी में अलेक्जेंडर चिपसिलांती के नेतृत्व में यूनान में विद्रोह शुरू हुआ। 1827 में लंदन में एक सम्मेलन हुआ जिसमें इंग्लैंड फ्रांस तथा रूस तुर्की के खिलाफ तथा यूनान के समर्थन में संयुक्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया। तीनों की संयुक्त सी नवारिनों की खाड़ी में तुर्की के खिलाफ एकत्र हुई। युद्ध में मिस्र और तुर्की बुरी तरह पराजित हुई। 1829 में एंड्रियानोपल की संधि हुई।जिसके तहत यूनान को स्वायतता दिया गया। 1832 में कुस्तुनतुनिया की संधि के द्वारा यूनान को स्वतंत्र घोषित किया गया।

लघु उत्तरीय प्रश्न

यूरोप में राष्ट्रवाद - उदय और विकास,

1. राष्ट्रवाद क्या है? अथवा, राष्ट्रवाद को परिभाषित कीजिए।

उत्तर - राष्ट्रवाद आधुनिक राजनीतिक चेतना का प्रतिफल है। 19वीं शताब्दी के यूरोप में राष्ट्रवाद एक शक्तिशाली तत्त्व के रूप में विकसित हुआ। यह अपने राष्ट्र के प्रति सोच और लगाव की भावना का विकास करता है। यह किसी विशेष भौगोलिक, सांस्कृतिक या सामाजिक परिवेश में रहनेवाले लोगों में एकता और लगाव की भावना विकसित करता है। राष्ट्रवाद ने बहुराष्ट्रीय साम्राज्यों के स्थान पर राष्ट्रीय राज्यों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।

2. नेपोलियन बोनापार्ट ने यूरोप में राष्ट्रवाद का प्रसार कैसे किया ? अथवा, यूरोप में राष्ट्रवाद को फैलाने में नेपोलियन बोनापार्ट किस तरह सहायक हुआ ?

उत्तर - नेपोलियन बोनापार्ट ने विजित राज्यों में राष्ट्रवादी भावना जागृत कर दी। फ्रांसीसी आधिपत्य वाले राष्ट्रों में नेपोलियन संहिता, फ्रांसीसी शासन और अर्थव्यवस्था समान रूप से लागू की गई। नेपोलियन के इन कार्यों से इटली एवं जर्मनी के एकीकरण का मार्ग सुगम हो गया। वहाँ राष्ट्रवाद का विकास हुआ। दूसरी ओर, नेपोलियन के युद्धों और विजयों से अनेक राष्ट्रों में फ्रांसीसी आधिपत्य के विरुद्ध प्रतिक्रिया हुई एवं आक्रोश बढ़ा। इससे भी राष्ट्रवाद का विकास हुआ।

3. 1830 की फ्रांसीसी क्रांति (जुलाई क्रांति) के कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - फ्रांस का सम्राट चार्ल्स x स्वेच्छाचारी और निरंकुश शासक था। वह संवैधानिक राजा के रूप में काम नहीं करना चाहता था। उसने पोलिगनेक नामक प्रतिक्रियावादी को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया। इन दोनों ने लुई xviiवें द्वारा स्थापित समान नागरिक संहिता के स्थान पर शक्तिशाली आभिजात्य वर्ग की स्थापना का प्रयास किया। उदारवादियों ने जब इसका विरोध किया तब चार आज्ञप्तियों द्वारा उनपर अंकुश लगा दिया गया। इससे गृहयुद्ध आरंभ हो गया। जुलाई में पेरिस की जनता ने विद्रोह कर पेरिस पर अधिकार कर लिया। चार्ल्स गद्दी छोड़कर इंगलैंड भाग गया।

4. 1848 की फ्रांसीसी क्रांति के कारणों का उल्लेख करें।

उत्तर - फ्रांस के सम्राट लुई फिलिप का प्रधानमंत्री गिजो प्रतिक्रियावादी एवं सुधारों का विरोधी था। सुधारवादी दल के नेता थेयर्स ने 22 फरवरी 1848 को पेरिस में 'सुधार भोज' का आयोजन किया। राजा ने इसपर रोक लगा दी। अतः, पेरिस में विरोध प्रदर्शन हुए और जुलूस निकाले गए। इसपर पुलिस ने गोली चला दी जिसमें अनेक लोग मारे गए। परिणामस्वरूप, क्रुद्ध जनता ने लुई को गद्दी छोड़कर इंगलैंड भागने को विवश कर दिया।

5. मेटरनिक अथवा, युग से आप क्या समझते हैं? मेटरनिक व्यवस्था से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - यूरोपीय इतिहास में 1815-48 की अवधि मेटरनिक युग के नाम से जानी जाती है। नेपोलियन बोनापार्ट की पराजय के बाद वियना काँग्रेस और उसके बाद की व्यवस्था की स्थापना

मेटरनिक व्यवस्था नाम से जानी जाती है। इसका उद्देश्य फ्रांस की क्रांति की देनों, प्रजातंत्रात्मक एवं राष्ट्रवादी भावना को कुचलना तथा पुरातन, व्यवस्था की पुनर्स्थापना करना था ।

6. इटली एवं जर्मनी के एकीकरण में ऑस्ट्रिया की क्या भूमिका थी?

उत्तर - ऑस्ट्रिया इटली और जर्मनी के एकीकरण का विरोधी था ।

इटली - वेनेशिया और लोम्बार्डी पर ऑस्ट्रिया का अधिकार था। सेडोवा के युद्ध (1866) में ऑस्ट्रिया की पराजय के बाद उसका प्रभाव इटली पर से समाप्त हो गया।

जर्मनी - जर्मनी ऑस्ट्रिया के अधीन शक्तिहीन संघ राज्य था। उत्तरी जर्मन महासंघ की स्थापना के बाद जर्मनी से ऑस्ट्रिया का प्रभाव समाप्त हो गया।

7. इटली के एकीकरण में कावूर की भूमिका का उल्लेख करें। अथवा, कावूर का संक्षिप्त परिचय दें।

उत्तर - कावूर को इटली के एकीकरण का 'राजनीतिज्ञ' कहा जाता है। 1850 में वह सार्डिनिया के राजा विक्टर इमैनुएल का मंत्री एवं 1852 में प्रधानमंत्री बना। उसने सैनिक और आर्थिक सुधारों द्वारा सार्डिनिया की स्थिति सुदृढ़ की । पेरिस शांति-सम्मेलन में उसने इटली के एकीकरण का प्रश्न उठाया। उसने इटली की समस्या को यूरोपीय समस्या बना दिया। 1859 में फ्रांस की सहायता से ऑस्ट्रिया को पराजित कर कावूर ने लोम्बार्डी पर अधिकार कर लिया।

8. गैरीबाल्डी कौन था? इटली के एकीकरण में उसकी क्या भूमिका थी? अथवा, गैरीबाल्डी के कार्यों की चर्चा करें।

उत्तर – गैरीबाल्डी एक राष्ट्रभक्त था। वह युद्ध की नीति में विश्वास करता था। इटली - के एकीकरण का द्वितीय चरण गैरीबाल्डी की तलवार ने पूरा किया। उसने सशस्त्र युवकों की एक टुकड़ी बनाई जो 'लाल कुर्ती' कहलाए। इनकी सहायता से उसने सिसली पर अधिकार कर वहाँ गणतंत्र की स्थापना की। वह पोप के राज्य पर भी आक्रमण करना चाहता था, परंतु कावूर ने इसकी अनुमति नहीं दी।

9. जर्मनी के एकीकरण में क्या बाधाएँ थीं?

उत्तर - 1870 के पूर्व नॉर्डिक ट्यूटन प्रजातियों का देश जर्मनी अनेक छोटे-बड़े राज्यों एवं रजवाड़ों में विभक्त था। यह एक राष्ट्र नहीं, बल्कि जर्मन-भाषी राज्यों का एक समूह था। इनमें राजनीतिक,

सामाजिक तथा धार्मिक विषमताएँ थीं। साथ ही, राष्ट्रवाद का मुद्दा भी गौण था। जर्मन राज्यों पर फ्रांसीसी सभ्यता-संस्कृति का व्यापक प्रभाव था। यह परिस्थिति जर्मनी के एकीकरण में बाधक थी।

10. विलियम प्रथम के बिना जर्मनी का एकीकरण बिस्मार्क के लिए कैसे असंभव था ?

उत्तर - विलियम प्रथम प्रशा के नेतृत्व में शक्ति के बल पर जर्मनी का एकीकरण करना - चाहता था। बिस्मार्क का भी मानना था कि जर्मनी का एकीकरण 'रक्त और लौह' की नीति से ही संभव है । उसकी इस नीति को विलियम प्रथम से समर्थन और सहयोग मिला। अगर ऐसा नहीं होता तो बिस्मार्क के लिए जर्मनी का एकीकरण करना संभव नहीं था।

11. बिस्मार्क के कार्यों की चर्चा करें। अथवा, जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की क्या भूमिका थी? अथवा, बिस्मार्क की उपलब्धियों की विवेचना करें।

उत्तर - जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। वह विख्यात राष्ट्रवादी और कूटनीतिज्ञ था। फ्रैंकफर्ट संसद में उसने भाग लिया था। वह रूस और फ्रांस में राजदूत भी रहा था। 1862 में बिस्मार्क प्रशा का चांसलर बना। चांसलर के रूप में सर्वप्रथम उसने प्रशा की आर्थिक और सैनिक शक्ति सुदृढ़ की। वह 'रक्त और लौह की नीति' में विश्वास करता था। अतः, उसने डेनमार्क (1864), ऑस्ट्रिया (1866, सेडोवा का युद्ध) तथा फ्रांस (1870, सीडान का युद्ध) को पराजित कर जर्मनी का एकीकरण किया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. राष्ट्रवाद के उदय के कारणों एवं प्रभावों की विवेचना कीजिए।

उत्तर - कारण – राष्ट्रवाद की भावना का जन्म पुनर्जागरण काल में ही हो चुका था, परंतु इसका उदय और विकास 1789 की फ्रांसीसी क्रांति से हुआ। इस क्रांति से यूरोप में निरंकुशवाद के विरुद्ध राष्ट्रीयता की भावना जागृत हुई। इसका प्रभाव अन्य राष्ट्रों पर भी पड़ा। बाद में नेपोलियन ने अपनी विजयों एवं नीतियों से राष्ट्रवादी भावना को आगे बढ़ाया। इसके साथ ही, नेपोलियन के आधिपत्य के विरुद्ध भी राष्ट्रवादी भावना का विकास हुआ। मेटरनिक की नीतियों ने भी राष्ट्रवादी भावना को बढ़ावा दिया। समस्त यूरोप इसके प्रभाव में आ गया।

प्रभाव - (i) राष्ट्रवादी भावना से प्रेरित होकर 1830-48 के मध्य यूरोपीय राष्ट्रों में क्रांतियाँ हुईं जिनके परिणामस्वरूप अनेक नए राज्यों का उदय हुआ। यूनान, जर्मनी एवं इटली जैसे स्वतंत्र राष्ट्रों का उदय भी राष्ट्रवाद के कारण हुआ।

(ii) उपनिवेशों में औपनिवेशिक शासकों के विरुद्ध मुक्ति आंदोलन चले।

(iii) भारतीयों पर भी राष्ट्रवाद का गहरा प्रभाव पड़ा।

(iv) भारतीय धर्मसुधार आंदोलन के नेताओं पर भी राष्ट्रवादी भावना का व्यापक प्रभाव पड़ा।

(v) राष्ट्रवाद के विकास से प्रतिक्रियावादी और निरंकुश शक्तियाँ कमजोर पड़ गईं।

(vi) राष्ट्रवाद के विकास से साम्राज्यवादी प्रवृत्ति भी बढ़ी और संकीर्ण राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

2. मेटरनिक व्यवस्था का परिचय दीजिए।

उत्तर - मेटरनिक ऑस्ट्रिया का चांसलर था। 1815 का वियना काँग्रेस आयोजित करने में उसकी प्रमुख भूमिका थी। वह घोर प्रतिक्रियावादी एवं पुरातन व्यवस्था बनाए रखने का समर्थक था। उसकी नीति थी- 'शासन करो और कोई परिवर्तन न होने दो। उसके द्वारा यूरोप में स्थापित व्यवस्था 'मेटरनिक व्यवस्था' कहलाती है। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रवादी एवं प्रजातंत्रात्मक व्यवस्था को कुचलना एवं पुरातन व्यवस्था को बनाए रखना था। क्रांति के सिद्धांतों का प्रसार रोकने के लिए प्रेस पर कठोर प्रतिबंध लगाया गया। विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों पर भी निगरानी रखी गई। कार्ल्सबाद आज्ञप्तियों द्वारा उदारवाद के प्रचार पर रोक लगा दी गई। मेटरनिक के प्रयासों के बावजूद क्रांतिकारी एवं राष्ट्रवादी विचारों का दमन पूर्णतः नहीं हो सका। 1830 में यूरोप के अनेक भागों में क्रांतियाँ हुई। इन क्रांतियों ने मेटरनिक व्यवस्था और उसके 'वैधता के सिद्धांत' को गंभीर चुनौती दी। शीघ्र ही 1848 में ऑस्ट्रिया में हुई क्रांति के साथ ही मेटरनिक व्यवस्था धराशायी हो गई। राष्ट्रवाद और उदारवाद की भावना बलवती हुई।

3. 1830 की जुलाई क्रांति का विवरण दीजिए।

उत्तर - 1830 की जुलाई क्रांति के कारण निम्नलिखित थे।

(i) राजा की निरंकुशता - 1824 में चार्ल्स दशम फ्रांस का राजा बना। वह स्वेच्छाचारी और निरंकुश था। उसने कुलीनों, पादरियों और चर्च को विशेषाधिकार दिए। उदारवादियों का दमन किया गया। इससे चार्ल्स का विरोध बढ़ने लगा।

(ii) पोलिगनेक का प्रधानमंत्री बनना - चार्ल्स ने 1830 में पोलिगनेक को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया। वह प्रतिक्रियावादी था।

(ii) चार आज्ञप्तियाँ-चार्ल्स ने चार आज्ञप्तियाँ पारित किए। इनके अनुसार, प्रेस की स्वतंत्रता समाप्त कर दी गई, प्रतिनिधि सभा भंग कर दी गई, मतदान का अधिकार सीमित कर कुलीनों को लाभ पहुँचाया गया तथा नए चुनाव की घोषणा की गई। क्रांति का स्वरूप - जुलाई 1830 में पेरिस की जनता ने विद्रोह कर दिया। विद्रोह का नेतृत्व लफायते ने किया। सैनिक विद्रोह पर नियंत्रण नहीं कर सके। बाध्य होकर चार्ल्स गद्दी छोड़कर इंगलैंड चला गया।

परिणाम - (i) चार्ल्स के चले जाने पर फ्रांस में बूब वंश के स्थान पर आर्लेयंस वंश के शासक लुई फिलिप को राजा बनाया गया।

(ii) संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना हुई।

4. यूनानी स्वतंत्रता आंदोलन का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर - प्राचीन काल में यूनान सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र था। 15वीं शताब्दी में यह तुर्की के ऑटोमन साम्राज्य के अंतर्गत आ गया। 18वीं शताब्दी से तुर्की की शक्ति कमजोर पड़ने लगी और उसे 'यूरोप का मरीज' कहा जाने लगा। 18वीं सदी के अंतिम चरण तक यूनान में राष्ट्रवादी धारणा प्रबल होने लगी। राष्ट्रवादी विकास में यूनानी चर्च, फ्रांसीसी क्रांति के प्रभाव तथा बौद्धिक आंदोलन का प्रमुख योगदान था। कोरेंइस नामक दार्शनिक ने यूनानियों में राष्ट्रप्रेम की भावना का प्रचार किया। कान्सटेंटाइन रीगास ने गुप्त समाचारपत्र प्रकाशित कर स्वतंत्रता की भावना प्रज्वलित की। हिटोरिया फिल्के नामक गुप्त क्रांतिकारी समिति यूनान को तुर्की से स्वतंत्र कराना चाहती थी।

फिल्के नामक गुप्त क्रांतिकारी सामात यून शक्तिशाली मध्यम वर्ग भी स्वतंत्रता की भावना जगा रहा था। इन्हीं परिस्थितियों में 1821 में एलेक्जेंडर हिप्सलांटी के नेतृत्व में यूनानियों ने मोलडेविया में विद्रोह किया। इसे तुर्की के सुलतान ने क्रूरतापूर्वक दबा दिया। इससे यूनानी हताश नहीं हुए। यूरोप के विभिन्न भागों से उन्हें सहायता मिलने लगी। विख्यात अँगरेज कवि लॉर्ड बायरन ने यूनानियों की

धन से सहायता की तथा स्वयं युद्ध में भाग लेने के लिए यूनान आए। मोरिया में भी विद्रोह हुआ। इसे धार्मिक स्वरूप प्रदान कर सुलतान महमूद द्वितीय ने हजारों यूनानियों को मार डाला। इस घटना से आक्रोशित होकर इंगलैंड, फ्रांस तथा रूस ने तुर्की के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया। नावारिनो की खाड़ी में हुए युद्ध में तुर्की और मिस्र की पराजय हुई। 1829 में तुर्की और रूस में एड्रियानोपुल की संधि हुई। इसके द्वारा तुर्की के आधिपत्य के अंदर यूनान को स्वायत्तता देने का निर्णय लिया गया। यूनानियों ने इसे स्वीकार नहीं किया। अतः, 1832 में कुस्तुनतुनिया की संधि द्वारा स्वतंत्र यूनान राष्ट्र का उदय हुआ। बवेरिया के राजकुमार ऑटो यूनान के शासक बने।

5. 1848 की यूरोपीय क्रांतियों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

उत्तर - 1848 में यूरोप में क्रांतियों का दौर आरंभ हुआ। इसका प्रमुख कारण प्रतिक्रियावादी शक्तियों का पुनरुत्थान, सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन तथा राष्ट्रवादी विचारधारा का प्रबल होना था।

फ्रांस - फरवरी 1848 में फ्रांस में क्रांति हुई। इसके परिणामस्वरूप फ्रांस में द्वितीय गणराज्य की स्थापना हुई।

इटली - मिलान और पोप के राज्य में विद्रोह हो गया। चार्ल्स एलबर्ट ने उदारवादी संविधान लागू किया।

जर्मनी - जर्मनी के विभिन्न भागों में विद्रोह हुए।

ऑस्ट्रिया - मेटरनिक व्यवस्था समाप्त हो गई।

हंगरी - लुई कोसुथ और फ्रांसिस डिक के प्रयासों से हंगरी में संवैधानिक सुधार लागू हुए। हंगरी पर से ऑस्ट्रियाई प्रभाव समाप्त कर दिया गया।

बोहेमिया - ऑस्ट्रिया ने बोहेमिया में प्रशासनिक स्वायत्तता देने की मांग मान ली, परंतु आंदोलन के हिंसक होने से इसे कुचल दिया गया। पोलैंड - पोलैंड की क्रांति को रूस ने कुचल दिया।

6. मेजिनी की उपलब्धियों की विवेचना करें।

उत्तर - इटली के एकीकरण में मेजिनी का बहुमूल्य योगदान था। उसे इटली के एकीकरण का 'मसीहा' कहा जाता है। वह दार्शनिक साहित्यकार, राजनेता और गणतंत्र का समर्थक था। उसका जन्म 1805 में जिनोआ नगर में हुआ था। वह तरुणावस्था से ही गुप्त राजनीतिक गतिविधियों में

भाग लेता था। उसने कार्बोनारी नामक गुप्त संगठन की सदस्यता ग्रहण की। 1821 में नेपल्स के विद्रोह को जिस तरह दबाया गया उससे क्षुब्ध होकर उसने काला वस्त्र पहनना आरंभ किया। विद्रोह में सक्रिय रूप से भाग लेने के कारण उसे कुछ वर्ष कारावास में व्यतीत करना पड़ा। जेल से छूटकर वह विदेश चला गया। गणतंत्रवादी उद्देश्यों के प्रचार के लिए उसने क्रमशः 'यंग इटली' (1831), 'यंग यूरोप' (1834) तथा 'फ्रेंड्स ऑफ इटली' नामक संस्थाओं का गठन किया। मेटरनिक के पतन के बाद वह इटली वापस लौटा। मेजिनी जनसंप्रभुता के सिद्धांत में विश्वास रखता था। उसने 'जनता-जनार्दन तथा इटली' का नारा दिया। उसका उद्देश्य ऑस्ट्रिया के प्रभाव से इटली को मुक्त करवाना तथा संपूर्ण इटली का एकीकरण करना था। वह संपूर्ण इटली को गणतंत्रात्मक राज्य में परिणत करना चाहता था। चार्ल्स एलर्बट और पोप के स्वार्थों की आपसी टकराहट में मेजिनी के समय में इटली का एकीकरण नहीं हो सका।

7. इटली के एकीकरण में मेजिनी, कावूर और गैरीबाल्डी के योगदानों का उल्लेख करें।

उत्तर - इटली के एकीकरण के तीन प्रमुख नायक थे। मेजिनी, कावूर तथा गैरीबाल्डी उनके संयुक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप 1870 में इटली का एकीकरण हो सका।

मेजिनी - वह इटली के एकीकरण का 'पैगंबर' या 'मसीहा' था। युवावस्था से ही वह गुप्त राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेता था। उसने कार्बोनारी नामक संस्था की सदस्यता ग्रहण की। 1830-31 के विद्रोह में उसने सक्रियता से भाग लिया, अतः उसे कारावास की सजा दी गई। जेल से छूटकर वह विदेश चला गया। मेजिनी गणतंत्र का समर्थक था। गणतंत्र का प्रचार करने के लिए उसने यंग इटली और यंग यूरोप की स्थापना की । मेजिनी ने 'जनता-जनार्दन तथा इटली' का नारा दिया। मेजिनी द्वारा एकीकरण के प्रयास विफल हो गए, अतः वह इटली से बाहर चला गया।

कावूर - कावूर कूटनीतिज्ञ एवं राष्ट्रवादी था। उसका मानना था कि सार्डिनिया के नेतृत्व में ही इटली का एकीकरण हो सकता था। वह राजतंत्र का समर्थक था। उसनें कूटनीतिक रूप से ऑस्ट्रिया को अलग करने की नीति अपनाई। 1852 में विक्टर इमैनुएल ने उसे अपना प्रधानमंत्री बनाया। इस पद पर रहते हुए उसने पिडमौंट की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ की । क्रीमिया के युद्ध (1854) में उसने संयुक्त शक्तियों का साथ दिया। पेरिस शांति सम्मेलन में उसने इटली के एकीकरण का प्रश्न उठाया। 1858 में उसने फ्रांस के साथ प्लेम्बियर्स समझौता किया जिससे उसे ऑस्ट्रिया के विरुद्ध फ्रांस की सहायता मिली। 1859 में कावूर ने फ्रांस की सहायता से ऑस्ट्रिया को पराजित कर लोम्बार्डी पर

अधिकार कर लिया। बाद में मध्य इटली के अनेक राज्यों ने विक्टर इमैनुएल को अपना राजा घोषित कर दिया। इन राज्यों को सार्डिनिया में मिला लिया गया।

गैरीबाल्डी - गैरीबाल्डी युद्ध की नीति में विश्वास करता था। उसने सशस्त्र युवकों की एक टुकड़ी 'लाल कुर्ती का गठन किया। इनकी सहायता से उसने सिसली पर अधिकार कर लिया। वहाँ उसने गणतंत्र की स्थापना की। वह पोप के राज्य पर भी अधिकार करना चाहता था, परंतु कावूर की अनुमति नहीं मिलने के कारण वह ऐसा नहीं कर पाया। गैरीबाल्डी के प्रयासों से इटली के एकीकरण का दूसरा चरण पूर्ण हुआ।

8. जर्मनी में राष्ट्रवाद का उदय कैसे हुआ ?

उत्तर - जर्मनी में राष्ट्रवाद का उदय 18वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में हुआ। इस समय जर्मनी में अनेक राजनीतिक चिंतकों एवं बुद्धिजीवियों का प्रादुर्भाव हुआ। इनलोगों ने जर्मनी में राष्ट्रीय चेतना की भावना जगाई। इनमें स्टीन, गॉटफ्रीड, कांट, फिक्टे, हीगेल, अंडर्ट, हम्बोल्ट और ग्रिम बंधुओं के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। स्टीन संवैधानिक राजतंत्र में विश्वास करते थे। गॉटफ्रीड का विचार था कि जर्मन संस्कृति उसके आमलोगों में निहित थी, यह राष्ट्र की आत्मा अथवा 'वोल्कजिस्ट' थी। हरडर के दार्शनिक चिंतन से जर्मनी में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की नींव पड़ी। गॉटफ्रीड से प्रेरणा लेकर ग्रिम बंधुओं ने जर्मन लोककथाओं का संग्रह 'ग्रिम्स फेयरी टेल्स' प्रकाशित किया। कांट ने स्वतंत्रता का आदर्श प्रस्तुत किया जबकि फिक्टे ने उग्र राष्ट्रवाद का। हीगेल ने ऐतिहासिक द्वंद्ववाद की व्याख्या की तथा राज्य में सर्वोच्च सत्ता की कल्पना की। बिस्मार्क पर हीगेल के विचारों का गहरा प्रभाव पड़ा। अंडर्ट ने अपनी कविताओं के माध्यम से देशभक्ति की भावना जागृत की। हर्डेनबर्ग तथा नोवोलिस ने जर्मनी के गौरवमय अतीत को उजागर किया। चित्रकारों ने भी जर्मन संस्कृति को उजागर किया। जर्मनी में राष्ट्रवाद के प्रसार में विद्यार्थियों एवं शिक्षण संस्थाओं का भी महत्त्वपूर्ण योगदान था। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने जर्मनी के एकीकरण को मूर्त रूप देने के लिए 'बुशेन शैफ्ट' नामक संस्था का गठन कर राष्ट्रीय एकता आंदोलन चलाया। वाइमर राज्य का येना विश्वविद्यालय राष्ट्रीय आंदोलन का मुख्य केंद्र था। राष्ट्रवादी भावना से प्रेरित होकर फादर जॉन ने 'तरुण आंदोलन' आरंभ किया। 'नैतिक संघ', 'वैज्ञानिक संघ' तथा राजनीतिक व्यायामशालाओं द्वारा राष्ट्रीय चेतना जागृत की गई। आर्थिक एकीकरण जैसे, जॉल्वेराइन शुल्क संघ की स्थापना से भी राष्ट्रवाद को प्रोत्साहन मिला । नेपोलियन बोनापार्ट द्वारा जर्मन राइन राज्यसंघ की स्थापना ने भी

राष्ट्रवादी भावना का विकास किया। 1848 की फ्रांसीसी क्रांति ने भी जर्मन राष्ट्रवाद, को बढ़ावा दिया। फ्रैंकफर्ट संसद में जर्मनी को एकीकृत करने का प्रयास किया गया, परंतु यह विफल हो गया।

9. जर्मनी के एकीकरण में विस्मार्क की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर - बिस्मार्क का मानना था कि जर्मनी की समस्या का समाधान बौद्धिक भाषणों से नहीं, आदर्शवाद से नहीं, बहुमत के निर्णयों से नहीं, बल्कि प्रशा के नेतृत्व में 'रक्त और लौह' की नीति से होगा। अपनी नीति अनुसार, उसने कार्य आरंभ किया। चांसलर के रूप में बिस्मार्क ने सबसे पहले प्रशा की आंतरिक स्थिति सुदृढ़ करने का प्रयास किया। आर्थिक और सैनिक सुधारों द्वारा प्रशा की स्थिति सुदृढ़ की गई। तत्पश्चात उसने युद्ध की नीति अपनाई। जर्मनी के एकीकरण के लिए उसने तीन युद्ध किए।

डेनमार्क से युद्ध – शेल्सविग और हॉल्सटीन में जर्मन निवासी बड़ी संख्या में थे, परंतु डेनमार्क इनपर अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता था। अतः, बिस्मार्क ने डेनमार्क से युद्ध का निर्णय लिया। 1864 में हुए युद्ध में डेनमार्क की पराजय हुई। शेल्सविग पर प्रशा ने अधिकार कर लिया। हॉल्सटीन पर ऑस्ट्रिया का प्रभाव स्वीकार किया गया।

सेडोवा का युद्ध - हॉल्सटीन के प्रश्न पर 1866 में ऑस्ट्रिया-प्रशा युद्ध (सेडोवा का युद्ध) हुआ। युद्ध में ऑस्ट्रिया की पराजय हुई। हॉल्सटीन पर प्रशा का अधिकार हो गया। प्राग की संधि के अनुसार, जर्मन महासंघ भंग कर 22 उत्तरी जर्मन राज्यों का उत्तरी जर्मन महासंघ प्रशा के नेतृत्व में बनाया गया।

सीडान का युद्ध – यह युद्ध फ्रांस के साथ 1870 में हुआ। इसमें फ्रांस का सम्राट नेपोलियन तृतीय पराजित हुआ। फ्रैंकफर्ट की संधि (1871) द्वारा जर्मनी के दक्षिणी राज्य उत्तरी जर्मन महासंघ में मिल गए। इस प्रकार, तीन युद्धों ने जर्मनी का एकीकरण पूरा कर दिया।

1. यूरोप में राष्ट्रवाद

1. फ्रांस की क्रांति का प्रमुख कारण था-

(A) प्रजातंत्र शासन

(B) निरंकुश शासन

(C) गिरफ्तारी पत्र

(D) मनसबदारी प्रथा

Ans – B

2. फ्रांस में किस शासक वंश की स्थापना वियना कांग्रेस के द्वारा की गई थी?

(A) हैब्सबर्ग

(B) ऑलिया वंश

(C) बूर्बो वंश

(D) जार शाही

Ans – C

3. नेपोलियन संहिता किस वर्ष लागू की गई?

(A) 1789 में

(B) 1791 में

(C) 1801 में

(D) 1804 में

Ans – D

4. वियना सम्मेलन (काँग्रेस) का अध्यक्ष कौन था?

(A) नेपोलियन बोनापार्ट

(B) लुई अठारहवाँ

(C) चार्ल्स दशम

(D) मेटरनिक

Ans – D

5. मेटरनिक व्यवस्था का उद्देश्य क्या था?

(A) गणतंत्र की स्थापना करना

(B) प्रजातंत्र की स्थापना करना

(C) पुरातन व्यवस्था की पुनर्स्थापना

(D) नेपोलियन की पुनर्स्थापना

Ans – C

6. मेटरनिक कौन था?

(A) आस्ट्रिया का चांसलर

(B) फ्रांस का सम्राट

(C) रूस का जार

(D) प्रशा का चांसलर

Ans – A

7. किसने कहा था, "फ्रांस जब छींकता है तो बाकी यूरोप को सर्दी-जुकाम हो जाता है।"

(A) नेपोलियन

(B) हिटलर

(C) मेटरनिक

(D) गैरीबाल्डी

Ans – C

8. नेपोलियन कोड में कुल कितने कोड थे?

(A) तीन

(B) पाँच

(C) चार

(D) सात

Ans – B

9. रोमानीवाद क्या था?

(A) एक राजनीतिक आंदोलन

(B) एक सांस्कृतिक आंदोलन

(C) एक आर्थिक क्रांति

(D) एक धार्मिक क्रांति

Ans – B

10. इटली एवं जर्मनी वर्तमान में किस महादेश के अन्तर्गत आते हैं

(A) उत्तरी अमेरिका

(B) दक्षिण अमेरिका

(C) यूरोप

(D) पश्चिम एशिया

Ans – C

11. मारीआन किस देश के राष्ट्रवाद का प्रतीक था?

(A) फ्रांस

(B) जर्मनी

(C) इटली

(D) रूस

Ans – A

12. राष्ट्रवाद की अवधारणा का जन्म किस घटना से माना जाता है?

(A) पुनर्जागरण

(B) धर्मसुधार आंदोलन

(C) गौरवपूर्ण क्रांति

(D) फ्रांस की क्रांति

Ans – A

13. वियना काँग्रेस कब हुआ था?

(A) 1815

(B) 1818

(C) 1820

(D) 1848

Ans – A

14. 1830 की क्रांति के बाद फ्रांस में किस प्रकार का शासन स्थापित हुआ?

(A) संघीय शासन-व्यवस्था

(B) संवैधानिक राजतंत्र

(C) निरंकुश राजतंत्र

(D) गणराज्य

Ans – B

15. ऐक्ट ऑफ यूनियन किस वर्ष पारित हुआ?

(A) 1688 में

(B) 1707 में

(C) 1788 में

(D) 1807 मे

Ans – B

16 “यंग यूरोप" का संस्थापक कौन था?

(A) मेजिनी

(B) गैरीबाल्डी

(C) विक्टर इमैनुएल

(D) मुसोलिनी

Ans – A

17. इटली के एकीकरण का मसीहा कहा जाता है—

(A) नेपोलियन बोनापार्ट

(B) मेजिनी

(C) काबूर

(D) गैरीबाल्डी

Ans – B

18. मेजिनी का संबंध किस संगठन से था?

(A) लाल सेना

(B) कार्बोनरी

(C) फिलिक हेटारिया

(D) डायट

Ans – B

19. किसने अपनी कूटनीति के बल पर इटली की समस्या को संपूर्ण यूरोप की समस्या बना दिया?

(A) काउंट कावूर

(B) गैरीबाल्डी

(C) मेजिनी

(D) विक्टर इमैनुए

Ans – A

20. यंग इटली का संस्थापक कौन था?

(A) काबू

(B) गैरीबाल्डी

(C) मेजिनी

(D) मुसोलिनी

Ans – C

21. 'लाल कुर्ती' का गठन किसने किया था?

(A) काबूर

(B) मेजिनी

(C) बिस्मार्क

(D) गैरीबाल्डी

Ans – D

22. कावूर कौन था?

(A) जर्मनी का राजा

(B) इटली का प्रधानमंत्री

(C) इटली का राजा

(D) जर्मनी का मंत्री

Ans – B

23. 'फ्रेंड्स ऑफ इटली' नामक संस्था का गठन किसने किया था?

(A) जियोबार्टी ने

(B) चार्ल्स एलबर्ट ने

(C) विक्टर इमैनुएल ने

(D) मेजिनी ने

Ans – D

24. कार्बोनारी की स्थापना किस वर्ष हुई थी?

(A) 1810 में

(B) 1815 में

(C) 1830 में

(D) 1848 में

Ans – A

25. गैरीबाल्डी पेशे से क्या था?

(A) सिपाही

(B) किसान

(C) जमींदार

(D) नाविक

Ans – D

26. काउंट कावूर को विक्टर इमैनुएल ने किस पद पर नियुक्त किया?

(A) सेनापति

(B) फ्रांस में राजदूत

(C) प्रधानमंत्री

(D) गृहमंत्री

Ans – C

27. इटली के एकीकरण में निम्न में से किसका संबंध नहीं है?

(A) बिस्मार्क

(B) मेजिनी

(C) कावूर

(D) गैरीबाल्डी

Ans – A

28. विलियम प्रथम कहाँ का शासक था?

(A) इटली

(B) प्रशा

(C) ऑस्ट्रिया

(D) यूनान

Ans – B

29. जॉल्वेराइन की स्थापना किस राज्य ने की?

(A) प्रशा ने

(B) ऑस्ट्रिया ने

(C) सार्डिनिया ने

(D) नेपल्स ने

Ans – A

30. सीडान का युद्ध किसके बीच हुआ था?

(A) आस्ट्रिया-प्रशा

(B) प्रशा-डेनमार्क

(C) प्रशा-फ्रांस

(D) इटली-रोम

Ans – C

31. बिस्मार्क किस विद्वान की विचारधारा से प्रभावित था?

(A) रूसो

(B) हीगेल

(C) अण्डर्ट

(D) जैकब

Ans – B

32. जर्मनी एवं इटली के एकीकरण के विरुद्ध निम्न में कौन था?

(A) इंगलैंड

(B) रूस

(C) आस्ट्रिया

(D) प्रशा

Ans – C

33. नेपोलियन ने जर्मनी में किस संघ की स्थापना की?

(A) ट्रांसपेडेन संघ

(B) सिसेल्पाइन संघ

(C) राइन संघ

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – C

34. किस युद्ध के बाद जर्मनी का एकीकरण हुआ?

(A) क्रीमिया का युद्ध

(B) सेडोवा का युद्ध

(C) प्रशा-डेनमार्क युद्ध

(D) सीडान का युद्ध

Ans – D

35. जर्मेनिया क्या थी?

(A) ब्रिटिश राष्ट्र का प्रतीक

(B) जर्मन राष्ट्र का प्रतीक

(C) रूसी राष्ट्र का प्रतीक

(D) ऑस्ट्रियन सम्राट का प्रतीक

Ans – B

36. जर्मनी का एकीकरण कब पूरा हुआ?

(A) 1890 ई० में

(B) 1848 ई० में

(C) 1871 ई० में

(D) 1870 ई० में

Ans – C

37. " जालवेरिन" एक संस्था थी—

(A) क्रांतिकारियों की

(B) व्यापारियों की

(C) विद्वानों की

(D) पादरी सामंतों की

Ans – B

38. सेडाओं के युद्ध में किसकी पराजय हुई?

(A) ऑस्ट्रिया की

(B) प्रशा की

(C) नेपल्स की

(D) सार्डिनिया की

Ans – A

39. बिस्मार्क क्या था?

(A) कवि

(B) नाटककार

(C) संगीतज्ञ

(D) कूटनीतिज्ञ

Ans – D

40. हीगेल कौन था?

(A) जर्मन चांसलर

(B) राजनीतिज्ञ

(C) दार्शनिक

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – C

41. सन् 1870 में फ्रांस और प्रशा के बीच हुआ था?

(A) सेडान

(B) सेडोवा

(C) साइराइन

(D) फ्रैंकफर्ट

Ans – A

42. किस संधि द्वारा जर्मनी का एकीकरण पूरा हुआ?

(A) डेनमार्क की संधि

(B) गैस्टीन की संधि

(C) प्राग की संधि

(D) फ्रैंकफर्ट की संधि

Ans – D

43. शेल्स विग और होल्सटीन का संबंध किस देश के एकीकरण से है?

(A) इटली के एकीकरण

(B) जर्मनी के एकीकरण

(C) यूनान के एकीकरण

(D) अमेरिका के एकीकरण

Ans – B

44. जर्मन राईन राज्य का निर्माण किसने किया था?

(A) लुई 18वाँ

(B) नेपोलियन बोनापार्ट

(C) नेपोलियन- III

(D) बिस्मार्क

Ans – B

45. रक्त एवं लौह की नीति का अवलम्बन किसने किया था?

(A) मेजिनी

(B) हिटलर

(C) बिस्मार्क

(D) विलियम

Ans – C

46. फ्रैंकफर्ट की संधि कब हुई?

(A) 1864

(B) 1866

(C) 1870

(D) 1871

Ans – D

47. सेडान युद्ध कब हुआ?

(A) 1871

(B) 1870

(C) 1848

(D) 1815

Ans – B

48. जर्मनी के एकीकरण का प्रमख वास्तुकार कौन था?

(A) मेजिनी

(B) गैरीबाल्डी

(C) लेनिन

(D) बिस्मार्क

Ans – D

49. 1871 में कौन-सी संधि हुई थी?

(A) फ्रैंकफर्ट की संधि

(B) पेरिस की संधि

(C) वियना काँग्रेस

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – A

50. जर्मनी के एककीकरण के लिए कौन उत्तरदायी था?

(A) काउंट कावूर

(B) बिस्मार्क

(C) गैरीबाल्डी

(D) मेजिनी

Ans – B

51. 'यूरोप का मरीज' किसे कहा जाता था?

(A) तुर्की

(B) इटली

(C) इंग्लैंड

(D) फ्रांस

Ans – A

52. यूरोपवासियों के लिए किस देश का साहित्य एवं विज्ञान प्रेरणा का स्रोत रहा है?

(A) जर्मनी

(B) यूनान

(C) तुर्की

(D) इंगलैंड

Ans – B

53. यूनान के स्वतंत्रता संग्राम में किसकी पराजय हुई?

(A) यूनान की

(B) तुर्की की

(C) रूस की

(D) फ्रांस की

Ans – B

54. 1829 ई० की एड्रियानोपुल की संधि किस देश के साथ हुई?

(A) रूस

(B) यूनान

(C) ब्रिटेन

(D) पोलैंड

Ans – A

55. 'यूरोपीय सभ्यता का पालना' किस देश को कहा जाता है?

(A) इटली

(B) रोम

(C) स्पेन

(D) यूनान

Ans – D

56. हंगरी की भाषा क्या थी?

(A) इतालवी

(B) मैग्यार

(C) पोलिश

(D) फ्रेंच

Ans – B

57. यूरोपीय राष्ट्रवाद से प्रभावित होकर किस भारतीय शासक ने जैकोबिन क्लब की स्थापना की?

(A) हैदरअली

(B) टीपू सुल्तान

(C) सफदरजंग

(D) शिवाज

Ans – B

58. 19 वीं शताब्दी में यूरोप में राष्ट्रवाद के विकास का क्या परिणाम हुआ?

(A) साम्राज्यवाद का विकास

(B) उपनिवेशवाद का विकास

(C) निरंकुश राज्यों की स्थापना

(D) राष्ट्रीय राज्यों की स्थापना

Ans – D